Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 45, शनिवार, 10 मार्च 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

बदली जिंदगी! 180 से 115 किलो हुआ दौलतराम का वजन, दी ये प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ट्वीट से किसी आदमी की जिंदगी बदल सकती है ऐसा साबित हुआ है 180 किलो के वजनी इंस्पेक्टर दौलतराम जोगावत मामले में। 180 किलो वजन के जिन दौलतराम का मशहूर स्तंभकार शोभा डे ने एक साल पहले मजाक बनाया था आज उनकी जिंदगी बदल चुकी है। उनका वजन घटकर अब सिर्फ 115 किलो रह गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इसके लिए उनकी बैरियाट्रिक सर्जरी की गई लेकिन इस इसमें उनका एक भी रुपया खर्च नहीं हुआ। दौलतराम मध्यप्रदेश पुलिस में बतौर इंस्पेक्टर तैनात हैं। करीब एक साल पहले दौलतराम तब सुर्खियों में आए थे जब शोभा ने उनकी तस्वीर ट्वीट करते हुए मजाक उड़ाया था। उन्होंने लिखा था- मुंबई में हैवी पुलिस बंदोबस्त.. एक समाचार रिपोर्ट के अनुसार, वजन कम होने पर दौलतराम ने कहा है कि वह अब खुद को एक अलग इंसान के रूप में महसूस कर रहे हैं। वहीं शोभा ने डे भी जोगावत के वजन कम होने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने लिखा है कि उनके एक ट्वीट के वजह से उनकी जिंदगी बदल गई यह उनके लिए भी खुशी की बात है। जोगावत अब कई अन्य बीमारियों से भी छुटकारा पा चुके हैं। मशहूर स्तंभकार शोभा डे ने पिछले साल जिस मोटे पुलिसकर्मी का फोटो अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर कर मजाक उड़ाया था, उसने 65 किलोग्राम वजन कम कर लिया है। इस पुलिसवाले का वजन अब 180 किलोग्राम से 115 किलोग्राम रह गया है। इतना ही नहीं पुलिसवाले को वजन कम करने वाली इस बारियाट्रिक सर्जरी के लिए कोई पैसा भी नहीं देना पड़ा है। वजन कम करने के बाद पुलिसकर्मी दौलतराम अब शोभा डे से मिलना चाहते हैं।

लाजपत नगर में 350 दुकानें सील दुकानों के अलावा राजधानी भर में 105 बड़ी संपत्तियां सील

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) क्षेत्र में हंगामे के बीच बृहस्पतिवार को बड़े स्तर पर सीलिंग की कार्रवाई हुई। इसके तहत कुल 33 स्टिल्ट पार्किंग एवं 350 दुकानें व उत्तरी दिल्ली में 40 संपत्तियां सील की गई। एसडीएमसी के सेंट्रल जोन की अमर कालोनी स्थित रिफ्यूजी कालोनी (लाजपत नगर 4) में अनधिकृत निर्माण के चलते यह सीलिंग की कार्रवाई की गई। तीन निगम क्षेत्र में 105 बड़ी संपत्तियां एवं 350 दुकानें सील की गयीं। उधर पूर्वी दिल्ली के गांधी नगर में सीलिंग के दौरान दुकानदारों ने जमकर हंगामा किया। मॉनटरिंग कमेटी के निर्देश पर दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के साउथ जोन में भूतल पर पार्किंग के दुरुपयोग के आरोप में 17 संपत्तियां सील की गई। इसमें अधिकांश संपत्तियां जीके एन्क्लेव-2 की बतायी गयी हैं।

गैर-घृणित अपराधों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की संभावना तलाशे पुलिस : एलजी

नई दिल्ली। उपराज्यपाल अनिल बैजल ने बृहस्पतिवार को कानून एवं व्यवस्था की बैठक में गैर-घृणित अपराध जैसे छीना-झपटी, पाकेट मारना आदि रोकने के लिए की जा रही कार्रवाई समीक्षा की। उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस को सलाह दी कि वह गैर-घृणित अपराधों के आनलाइन रजिस्ट्रेशन की संभावनाओं की तलाश करें। इस प्रक्रिया से रजिस्ट्रेशन न केवल तेजी से होगा बल्कि दिल्ली पुलिस के लिए जांच करने में भी सुविधा होगी और इन अपराधों के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करना भी आसान हो जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर "रेप रोको' अभियान के तहत बनाई गई मानव श्रृंखला

महिला सुरक्षा में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे : सिसोदिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में मानव श्रंखला बनाकर डीसीडब्ल्यू ने पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग की। मानव श्रृंखला में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं पहुंची थी और उन्होंने अपने हाथों में विभिन्न स्लोगन वाले बैनर और तख्ती थामे हुई थी। जिसपर बलात्कारियों को सजा दिलाए जाने वाले स्लोगन लिखे थे। मानव श्रृंखला में उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पहलवान योगेश्वर दत्त, कैरालिसा मोंटेरियो और ल्यूक केन्नी, रब्बी शेरगिल समेत बड़ी संख्या में महिला पुरु ष शामिल थे। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी में महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। योगेश्वर दत्त ने बच्चों के साथ होने वाले बलात्कार को रोकने के लिए सरकारों से मजबूत क़ानून बनाने की अपील की। इस दौरान ''रेप रोको' वीडियो सांग भी जारी किया गया जिसकी धुन कैरालिसा मोंटेरियो ने बनाई है। स्वाति जयहिंद ने कहा कि वह पिछले 37 दिनों से सत्याग्रह कर रही थीं। रेप रोको आन्दोलन अब एक देश व्यापी आन्दोलन बन गया है और हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक एक ऐसी व्यवस्था नहीं बनती जिसमें बच्चों के बलात्कार के मामलों में 6 महीने में सुनवाई पूरी हो और अपराधियों को फांसी की सजा मिले।

सड़क हादसों में तीन की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी के अलग-अलग इलाकों में हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनो शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पुलिस ने बताया कि पहले मामले में मियांवाली नगर इलाके में बुधवार को एक बुजुर्ग को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया।मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल बुजुर्ग को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की शिनाख्त बख्शी सिंह (65) के रूप में हुई ।

कर्मियों के साथ सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी होता है अनुचित व्यवहार

मुज़्य सचिव पर हमले के मामले में महिला अफसरों ने अपनाया कड़ा रुख

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दिल्ली सरकार में कार्यरत महिला अधिकारियों ने मुख्य सचिव अंशु प्रकाश पर हुए कथित हमले की कड़ी निंदा की। हमला हुए दो सप्ताह बीते हैं लेकिन अधिकारी प्रतिदिन 1.30 बजे अपना विरोध प्रकट करते हैं। संवाददाताओं से बातचीत करते हुए महिला अधिकारियों ने कहा कि गत दिनों मुख्य सचिव अंशु प्रकाश के साथ हुए व्यवहार से वे काफी चिंतित महसूस करती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के चुने हुए प्रतिनिधि भी सार्वजनिक कार्यक्रमों में कर्मियों के साथ अनुचित व्यवहार करते रहते हैं जिसे उचित नहीं ठहराया जा सकता है। जब किसी कर्मचारी के साथ ऐसी कोई घटना हो जाए तो दिल्ली के मुख्यमंत्री उसकी निंदा तक नहीं करते, जो अपने आप में दुर्भाग्यपूर्ण है। दिल्ली में कार्यस्थल पर कर्मियों की सुरक्षा का ख्याल रखा जाना चाहिए, खास कर महिला कर्मियों के साथ व्यवहार में संवेदनशीलता होनी चाहिए। महिला कर्मियों ने कहा कि सरकार को जगह-जगह अफवाहों को फैलाने के बजाए कुछ ऐसे ठोस कदम उठाने चाहिए जिससे कर्मियों का कार्यस्थल पर विश्वास ओर हौसला बढ़ सके।

महिला कर्मियों ने कहा कि सरकार को जगह-जगह अफवाहों को फैलाने के बजाए कुछ ऐसे ठोस कदम उठाने चाहिए।

हैदराबाद:दो नाबालिग लड़कियों ने 8वीं मंजिल से कूद कर की आत्महत्या

हैदराबाद। हैदराबाद के सरूरनगर इलाके में स्थित एक बहुमंजिली बिल्डिंग के आठवें फ्लोर से कूदकर दो नाबालिग लड़कियों ने आत्महत्या कर ली।

दोनों मृत लड़कियों के नाम सावनी काले और भार्गवी पटेल है। दोनों अक्षरा इंटरनेशनल स्कूल बयरामलगुडा की 10वीं क्लास की छात्रा थीं। इन दोनों लड़कियों के सुसाइड करने के पीछे क्या कारण था इसका पता नहीं चल सका है।

पुलिस का मानना है कि परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के कारण वे दोनों दबाव में थीं।

जिसके चलते दोनों ने यह आत्मघाती कदम उठाया।

पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, सावनी गुरुवार शाम तीन बजे अपने घर से यह कहकर निकली थी कि वह भार्गवी के घर पढ़ाई करने जा रही है।

इसके बाद दोनों ने घर की बालकनी से कूदकर आत्महत्या कर ली।

उन्होंने मरने से पहले एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है। जिस समय दोनों ने बिल्डिंग की बालकनी से जंप लगाई उस समय भार्गवी के घर में कोई नहीं था। पुलिस को कमरे की डस्टबिन में एक कागज मिला है, जिसमें सावनी ने लिखा है, 'डियर मां-पापा सॉरी और तेजू मैं तुम्हें मिस करुंगी। हालांकि इन नोट में सुसाइड का कोई कारण नहीं लिखा गया है।'

पति बना हैवान, अवैध संबंधों के शक में बीबी और 2 बच्चियों को काट डाला

कानपुर (एजेंसी)। चित्रकूट की शिवरामपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के चकला गुरू बाबा गांव में शुक्रवार की भोर एक व्यक्ति ने पत्नी और दो मासूम बच्चियों का चाकू से गला रेतकर बेरहमी से कत्ल कर दिया। शोरशराबा सुनकर मौके पर पहुंचे पिता को हत्यारे ने धक्का देकर गिरा दिया और मौके से भाग निकला।

बाद में हत्यारे ने पुलिस चौकी में जाकर समर्पण कर दिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पुलिस अधिकारी पहुंचे, घटना के पीछे अवैध संबंधों का शक बताया जा रहा है। चकला गुरू बाबा गांव का अजीत पत्नी मैना देवी (32) व दो बच्चियों नंदिनी (8) पिंकी (6) के साथ कमरे में सो रहा था।

अजीत के पिता दयाराम ने बताया कि गुरूवार की शाम को सभी लोगों ने साथ खाना खाया था। इसके बाद वह अजीत पत्नी व बच्चियों के साथ अपने कमरे में सोने चला गया। शुक्रवार की भोर में करीब तीन बजे दयाराम ने सोते समय पत्नी मैना देवी के गले में चाकू से वार किया। वह तड़पती हुई बाहर को भागी। मैना ने आकर उनके कमरे के दरवाजे को खटखटाया। उन्होंने जैसे ही दरवाजा खोला मैना खून से लथपथ होकर दरवाजे में ही बेहोश होकर गिर पड़ी। वह जब तक अजीत के कमरे के पास पहुंचे, उसने अंदर से कुंडी बंद कर ली।

अंदर सो रही दोनों बेटियों नंदिनी व पिंकी का भी उसने चाकू से वार कर सोते समय कत्ल कर दिया। काफी देर तक अजीत ने दरवाजा नहीं खोला। दयाराम के अनुसार वह भागकर पास रहने वाले अपने परिवारीजनों को बुलाने चले गये। वापस आने पर अजीत ने कमरे का दरवाजा खोला तो उन्होंने अजीत को पकड़ने की कोशिश किया लेकिन उनको धक्का देकर गिरा दिया और मौके से भाग निकला।

पत्नी और दो बच्चियों का एक साथ कत्ल करने वाले अजीत ने कुछ घंटे के ही भीतर शिवरामपुर पुलिस चौकी में समर्पण कर दिया। घटना की सूचना पाकर एसपी प्रताप गोपेन्द्र, अपर पुलिस अधीक्षक बलवंत चौधरी, सीओ सिटी विजेन्द्र द्विवेदी, कोतवाल कर्वी सुभाषचंद्र चौरसिया मौके पर पहुंचे। पुलिस का कहना है कि आरोपी अजीत ने पत्नी के किसी से अवैध संबंध होने की शंका को लेकर सामूहिक हत्याकांड को अंजाम दिया है। उन्होंने कहा कि आरोपी को पकड़ लिया गया है, घटना की जांच की जा रही है।

शंका को देखते हुए कई लोगों से पूछताछ की जा रही है। पिता की तहरीर पर आरोपी अजीत के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

दिल्ली: लोडेड पिस्टल के साथ सेल्फी लेना युवा को पड़ा भारी, भाई को ही मार दी गोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सरिता विहार इलाके में खतरनाक हादसा देखने को मिला जब एक नाबालिग ने फोन से लोडेड पिस्टल के साथ सेल्फी लेते समय गलती से अपने भाई को ही गोली मार दी। पुलिस अधिकारी चिनमय बिस्वाल ने बताया कि किशोर को गिरफ्तार कर लिया गया और सरिता विहार पुलिस स्टेशन पर उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आगे बताया कि पिस्तौल नाबालिग लड़के के पिता की थी। उसके पिता एक संपत्ति डीलर है। उन्होंने आगे कहा कि हम अपने छोटे बेटे को लोड किए गए लाइसेंस पिस्तौल का इस्तेमाल करने की अनुमति देने के लिए पिता के खिलाफ उचित कार्रवाई करेंगे।

पुलिस अधिकारी के अनुसार, यह घटना किशोरी के घर में 5.30 बजे के आसपास हुई थी। स्कूल शिक्षक अपने रिश्तेदारों से मिलने आया था। घायलों को एक पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उन्होंने गोली की चोट के कारण मौत की।

कानपुर देहात की मरहमताबाद की हवाई पट्टी पर दौड़ा हवाई जहाज

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर देहात में शिवली की मरहमताबाद हवाईपट्टी के जल्द संचालन की आस शुक्रवार को उस समय जगी जब लखनऊ से डिप्टी डाइरेक्टर की अगुवाई में आए तकनीकी दल ने रनवे पर हवाई जहाज की लैंडिंग कराई। पट्टी पर करीब आधे घंटे तक जहाज का मूवमेंट कराया गया। विमानन विभाग के अफसरों ने हवाई पट्टी के संचालन के सम्बंध में किसी तरह की जानकारी नहीं दी मगर चर्चा रही कि रूटीन फ्लाइट के अलावा आकस्मिक स्थितियों को लेकर ट्रायल किया गया है। मरहमताबाद गांव सपा सांसद डिम्पल यादव के संसदीय क्षेत्र कन्नौज का हिस्सा है। क्षेत्र को विकसित करने के लिए उनके पति व पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने साल 2014 में हवाई पट्टी की योजना मंजूर कराई थी। शुरुआत में योजना पर तेजी से काम चला, बीच मे थोड़े अवरोध आए। समय पर फंडिंग नहीं होने के कारण प्रशासनिक भवन और टॉवर अब तक नहीं बन सका। हालांकि रनवे पूरी तरह बनकर तैयार है। शुक्रवार को लखनऊ से आए विमानन विभाग की टीम ने रनवे की जांच की, उस पर जहाज दौड़ाया। ट्रायल के बारे में पहले से किसी को नहीं बताया गया। गुरुवार शाम ही डीएम के पास इसकी जानकारी आई थी, इस पर एडीएम शिवशंकर गुप्ता मौके पर पहुंच गए थे।

रनवे पर विमान करीब आधे घण्टे रुका। इस दौरान उसे पूरे रन वे पर घुमा कर देखा गया। कब संचालन शुरू हो सकेगा, इस बारे में डिप्टी डाइरेक्टर ने कुछ नहीं बताया। उन्होंने कहा कि तकनीकी रूप से जांचने को रनवे पर ट्रायल किया गया है।

उप्र: एनआईए ने 7 कश्मीरी छात्रों से पूछताछ की

बांदा (एजेंसी)। दिल्ली से पहुंची एनआईए की टीम ने गुरुवार को बांदा के गांव हथौरा के जामिया अरबिया मदरसा में छापा मारा। कश्मीर में तीन माह पहले पकड़े गए सदिग्ध के पास से मिली डायरी से मिले नाम और फोन नंबरों के आधार पर एनआईए टीम यहां पहुंची थी, हालांकि पड़ताल मे टीम को कुछ खास नहीं मिला। देर शाम टीम मुख्यालय वापस लौट गई।

बांदा की पुलिस अधीक्षक शालिनी ने बताया कि एनआईए के एक डिप्टी एसपी व एक इंस्पेक्टर बांदा आए हैं और गोपनीय जांच की है।

एनआईए के डिप्टी एसपी संत कुमार व इंस्पेक्टर एसके चौधरी बांदा से पुलिस बल लेकर गुरुवार दोपहर जामिया अरबिया मदरसा पहुंचे।

टीम के पास मदरसे के कुछ नाम और फोन नंबर थे, यह नाम उसे दिसंबर माह में कश्मीर में पकड़े गए तौफीफ नामक संदिग्ध युवक के पास से मिली डायरी से मिले थे।

तौफीफ यहां पढ़ने के लिए आया था। उसकी डायरी में यहां के कुछ छात्रों के नाम दर्ज थे। एनआईए को उसके आतंकी नेटवर्क में शामिल होने का शक है। टीम ने मदरसे के दारूल तालीम छात्रावास पहुंचकर वहां रहने वाले कुछ छात्रों से जानकारी जुटाई। टीम ने छात्रावास कमरा नंबर 23 के कुछ छात्रों से पूछताछ भी की।

यहां सात कश्मीरी छात्र भी पढ़ते हैं, उनसे भी कुछ जानकारी जुटाई। इसके बाद बारी-बारी से कई छात्रों और वार्डन से पूछताछ की। करीब सात घंटे तक टीम मदरसे के अंदर रही। टीम ने पुराने दस्तावेज भी खंगाले और कई दस्तावेज स्कैन कराकर साथ ले गई। मदरसे में आने-जाने वाले लोगों का भी रिकार्ड जांचा गया।

एनआईए टीम ने सीसीटीवी कैमरों के बारे में भी पूछताछ, इसके अलावा मौलवियों से पढ़ाई का तरीका पूंछा। बताया गया कि टीम बुधवार रात को भी यहां पहुंची थी और कुछ देर रुकने के बाद वापस मुख्यालय बांदा आ गई थी। दूसरे दिन छात्रों के विरोध की आशंका पर भारी पुलिस बल के साथ टीम पहुंची। जब तक टीम वहां रही किसी को भी अंदर बाहर नहीं जाने दिया गया। मदरसा के व्यवस्थापक मंडल के सदस्य मौलाना नजीब ने बताया कि एक युवक के बारे में टीम पड़ताल करने आई थी। पुराने रिकार्ड भी देखे हैं। उन्होंने कहा कि टीम को ऐसा कुछ नहीं मिला जिससे कुछ गलत साबित हो। उन्होंने बताया कि ऐसा पहली बार हुआ जब देश की बड़ी जांच एजेंसी यहां पड़ताल करने आई है।

देश के प्रतिष्ठत संस्थानों में हथौरा का अरबिया मदरसा

बांदा के गांव हथौरा का जामिया अरबिया मदरसा देश के प्रतिष्ठत मदरसों में एक है। इसकी स्थापना 1933 में हुई। इसकी पूरे देश में साख है। शिक्षा के क्षेत्र में इसकी अलग पहचान है। मौजूद समय यहां करीब तीन हजार छात्र देश विदेश के पढ़ते है। इसने शिक्षा के उच्च मानदंड स्थापित किए है।

पहले भी आ चुकी एनआईए

सूत्रों के मुताबिक पिछले कई महीनों से एनआईए की टीम यहां आकर

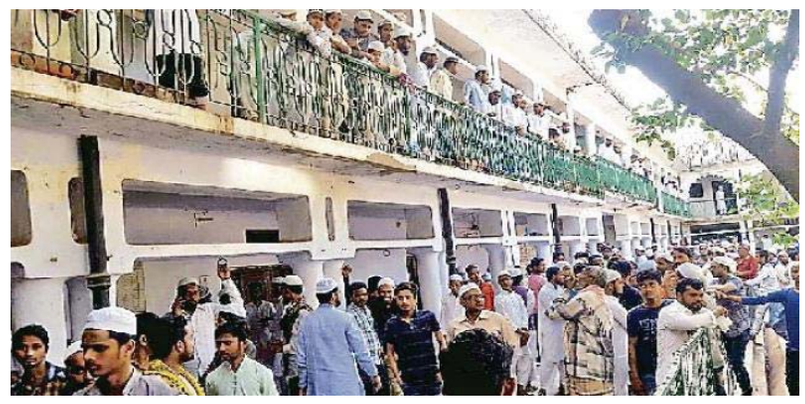

गोपनीय जांच कर चली जाती रही। बुधवार शाम भी टीम बेहद गोपनीय तरीके से आई। वह काश्मीर में पकड़े गए तौफीफ के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी करने में जुटी रही। इस बार मीडिया को भनक लग गई तो पड़ताल के बाद वापस लौटने की बात कह फिर टीम चली गई।

पूरे दिन होती रही चर्चाएं

हथौरा के मदरसे में छापे की सूचना से गांव हथौरा में ग्रामीण सहम गए। क्या हुआ की जानकारी के लिए हर कोई उत्सुक रहा। इस दौरान कई तरह के कयास लगते रहे। मदरसे के आसपास किसी बाहरी को नहीं जाने दिया गया। मदरसे के छात्रों में भी कौतूहल बना रहा। गांव में चप्पे- च्पे पर पुलिस का पहरा रहा।

इन दोनों व्यक्तियों के गले में पत्थर बांधकर पानी में डूबा देना चाहिए। एक दान न करने वाला धनिक और दूसरा परिश्रम न करने वाला दरिद्र
- स्वामी विवेकानंद

फैसले के कई आयाम

प्रदेश की तेलुगूदेशम पार्टी के केंद्र में मंत्री तो नहीं रहे मगर फि लहाल एनडीए से नाता बना हुआ है। दो केंद्रीय मंत्रियों ने इस्तीफा देने और प्रधानमंत्री से मिलने के बाद यह जाहिर किया तो उनकी जबान में तल्खी नहीं थी। लेकिन मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के बारे में शायद ऐसा नहीं कहा जा सकता। इसके कुछ ही देर पहले प्रधानमंत्री ने उनसे फोन पर बात की थी। खैर, नायडू के केंद्र से नाता तोड़ने के फैसले के कई आयाम हो सकते हैं। प्रत्यक्ष वजह तो प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने का वादा पूरा न होना बताया गया, लेकिन राजनीति में हमेशा जो सामने दिखता है, वह ज्यादातर बार होता नहीं है। अगर हम नायडू के पिछले कुछ दिनों और खासकर दो दिनों के बयानों पर गौर करें तो इनका कुछ संकेत भी मिलता है। उनका बड़ा गुरेज है कि प्रधानमंत्री उनके फोन का पलट कर जवाब नहीं देते। इसके अलावा यह भी गौरतलब है कि वित्त मंत्री अरुण जेटली के बयान पर नायडू की प्रतिक्रिया क्या थी। बुधवार को वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा था कि विशेष दर्जा देने पर 14वें वित्त आयोग की संस्तुति का उल्लंघन होगा, जिसके मुताबिक सिर्फ पूर्वोत्तर के राज्यों और तीन पर्वतीय राज्यों को ही यह दर्जा दिया जा सकता है। लिहाजा, जेटली ने विशेष पैकेज देने की पेशकश रखी। मगर नायडू ने इसे ऐसे देखा कि हम अपना अधिकार मांग रहे हैं और वादा पूरा करने की बात कर रहे हैं तो वित्त मंत्री ''लो या हटो' की भाषा में बोल रहे हैं। यही नहीं, उनके सांसद तो यह भी कह रहे हैं कि राज्य भाजपा में जैसा आक्रामक रवैया दिख रहा है, वह उनकी पार्टी के लिए घातक है। राज्य भाजपा के नेताओं के बयान भी ऐसे हैं कि पार्टी को अपने दम पर ज्यादा लाभदायक स्थिति दिखने लगी है। इसमें एक कारक वाइएसआर कांग्रेस के जगनमोहन रेड्डी भी हैं। कहा जाता है कि वे भाजपा के बड़े नेताओं से मिल चुके हैं और तालमेल की गुंजाइश तलाश रहे हैं। लेकिन अभी ये सिर्फ कयास हैं। इसमें एक दूसरा पहलू तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने यह कहकर जोड़ दिया है कि वे गैर-भाजपा, गैर-कांग्रेस तीसरे मोर्चे के पक्ष में हैं और उन्होंने चंद्रबाबू नायडू को इसमें शामिल होने का न्योता भी दे डाला है। नायडू ने भी विधानसभा में कहा कि समान विचार वाली सभी पार्टियों को एक मंच पर आना चाहिए। कुल मिलाकर यह अगले साल लोक सभा चुनावों के लिए नई सियासी पैंतरेबाजी लगती है।

''ठोस कचरा प्रबंधन नियम

सवरेच्च न्यायालय का यह कहना कि ठोस कचरा हमारे लिए परमाणु बम है और राज्य सरकारें उनके फटने का इंतजार कर रही हैं, एक ऐसी चेतावनी है जिसे पूरी गंभीरता से लिए जाने की आवश्यकता है। न्यायालय इस समय देश भर में ''ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016' लागू करने से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई कर रहा है। इसके लिए सभी राज्यों को नाटिस भेजा गया था एवं जिसमें राज्य कचरा प्रबंधन के लिए क्या कर रहे हैं, क्या करने वाले हैं आदि का विवरण देना था। किंतु केंद्र सरकार एवं दिल्ली सरकार की ओर से न्यायालय में किसी राज्य की ओर से प्रतिनिधि का न उपस्थित होना वाकई चिंताजनक है। इसी पर सर्वोच्च न्यायालय ने पूछा कि क्या वे राज्य बम फटने का इंतजार कर रहे हैं? ऐसी स्थिति में न्यायालय की इस टिप्पणी को भी उचित ही ठहराना होगा कि यह साफसंकेत है कि किसी को भी परवाह नहीं है। हालांकि केंद्र की ओर से ठोस कचरे के प्रबंधन के बारे में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 28 से प्राप्त विवरण के बारे में हलफनामा दाखिल किया गया है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। न्यायालय में उपस्थित न होने का मतलब है कि आपने केवल खानापूर्ति कर दी है। केवल पर्यावरणविद् ही नहीं, राजनेता एवं बुद्धिजीवी तक इस पर अब चिंता प्रकट कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने इस संबंध में कचरे के उपयोग की कई योजनाएं भी बनाई हैं। किंतु जिस गति से इस पर काम होना चाहिए नहीं हो रहा है। इसमें राज्यों की भूमिका अहम है। केंद्र मार्गनिर्देशन कर सकता है, आवश्यक सहायता मुहैया करा सकता है, मगर करना तो राज्यों को ही है। यदि राज्यों को इसकी परवाह नहीं कि उन्हें सर्वोच्च न्यायालय में जवाब देना है तो फिर कुछ नहीं हो सकता। एक दिन ये ठोस कचरे के ढेर सब कुछ निगलेंगे और हमारे पास तब बचने का कोई रास्ता नहीं होगा। इसलिए न्यायालय की चिंता और राज्यों के रवैये पर नाराजगी बिल्कुल स्वाभाविक है। पर्यावरण आज सभी सरकारों की प्राथमिकता होनी चाहिए। उम्मीद करनी चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की नाराजगी के बाद राज्य सरकारें सचेत होंगी और अगली सुनवाई के दौरान अपना पूरा विवरण लेकर उपस्थित होंगी।

सत्संग

अज्ञानता

मैं अज्ञानता की बात करता हूं तो मेरा मतलब है कि सब कुछ अज्ञानता ही तो है। हम जिसे ज्ञान कहते हैं, वह भी एक तरह का अज्ञान ही है। हर व्यक्तिअज्ञानता की एक सीढ़ी से दूसरी सीढ़ी की ओर तब तक बढ़ता है, जब तक कि वह किसी आत्मज्ञानी की परम विस्मृति में डूब जाने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हो जाता। हर व्यक्ति के लिए अज्ञानता के मायने अलग-अलग होते हैं। तेनाली रामकृष्ण का नाम तो आपने सुना होगा। वह दक्षिण के एक राजा के दरबार में रहते थे। एक बार वह दरबार में कुछ लोगों के साथ बैठे दर्शनशास्त्र पर चर्चा कर रहे थे। वहां एक आदमी लगातार बेमतलब की बातें कर रहा था। तेनालीराम को बर्दाश्त नहीं हुआ और वह उस आदमी से बोले ''तुम बेवकूफहो और किसी काम के नहीं हो, तुम खुद कुछ नहीं हो!' वह आदमी अपनी इस बेइज्जती से चिढ़ गया और बोला ''तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई यह बोलने की कि मैं बेकार हूं? मैं शहर का मशहूर मोची हूं।' उसके ऐसा कहते ही तेनालीराम ने अपना जूता उठाया और तोड़कर उसकी तरफ फेंकते हुए बोले ''अगर तुम सचमुच अच्छे मोची हो, तो इसे जोड़ो और नये जैसा बना दो।' उस आदमी ने तुरंत जूते को उठाया और उसे ठीक करने के लिए वहां से चल पड़ा। अज्ञानता हमेशा बहुत सारी परतों और अलग-अलग सीमाओं में होती है। जिंदगी एक रहस्य की तरह चलती रहती है। शायद हजारों साल पहले हमें यह भी नहीं पता था कि हमारा शरीर कैसे काम करता है। अब हम उसे खोलकर देख चुके हैं, उसके साथ कई सारे काम भी कर चुके हैं। अब हमें उसके बारे में बहुत सारी जानकारी है। लेकिन हम इसके बारे में जितना ज्यादा जानने की कोशिश करते हैं, यह उतना ही रहस्यमय होता जा रहा है, पहले से भी ज्यादा। विज्ञान के बारे में माना जाता है कि वह आपके जीवन में स्पष्टता लाता है, लेकिन आज आधुनिक भौतिक विज्ञान ने बहुत सारा भ्रम पैदा कर दिया है जो रहस्यवाद से भी ज्यादा रहस्यमय लगता है। हमारी समझ और तथाकथित ज्ञान जितना बढ़ता जाता है, जीवन उतना ही ज्यादा रहस्मय होता जाता है। आत्म-ज्ञान का मतलब जानकारी हासिल करना नहीं है। ज्ञान-प्राप्ति तो असीमित अज्ञानता को छूना है। हर किसी की अज्ञानता की कोई न कोई सीमा होती है। पर आत्म-ज्ञानी व्यक्ति की अज्ञानता असीमित होती है, हर बंधन से मुक्त होती है।

नियंतण्र व्यापार युद्ध की नई चिंताओ

ट्रंप लंबे समय से यह कहते आ रहे हैं कि अमेरिका के कारोबारी साझेदार विभिन्न देश अमेरिका को कारोबार में भारी घाटा दे रहे हैं। वस्तुत: ट्रंप अमेरिका के औद्योगिक क्षेत्र को संरक्षण देकर उसमें नई जान फूंकना चाहते हैं। उनकी धारणा है कि वैश्वीकरण दुनिया के कई इलाकों में नाकाम साबित हो चुका है और यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए भी नुकसानदेह है। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री विल्बर रॉस ने यहां तक कह दिया है कि अमेरिका ने दूसरे विश्व युद्ध के समाप्त होने के बाद से ही यूरोप और एशियाई देशों को भारी रियायतें दी हैं।

सतीश पेडणोकर

डब्ल्यूटीओ के 22 वर्षो बाद विकासशील देशों के करोड़ों लोग यह अनुभव कर रहे हैं कि डब्ल्यूटीओ के तहत विकासशील देशों का शोषण हो रहा है। ऐसे में नियंतण्र व्यापार युद्ध की नई चिंताओं के मद्देनजर जरूरी है कि भारत एवं अन्य विकासशील देशों द्वारा डब्ल्यूटीओ के तहत अमेरिका सहित विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों के उत्पादों और पेशेवर प्रतिभाओं पर लगाई जा रही वीजा रोक प्रवाह का मुद्दा जोरदार ढंग से उठाना होगा। दिनों अमेरिका एवं कई विकसित देश वस्तुओं एवं सेवाओं के आयात पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगाकर नियंतण्र व्यापार युद्ध का नया चिंताजनक परिदृश्य निर्मित करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इससे भारत सहित विभिन्न विकासशील देशों की व्यापार चिंताएं बढ़ गई है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डनाल्ड ट्रंप ने निर्देश जारी किए हैं कि अमेरिका में आयातित स्टील पर 25 फीसद और आयातित एल्युमीनियम पर 10 फीसद शुल्क लगाया जाएगा। ट्रंप ने आयात शुल्क में इजाफे पर जो जोर दिया है, वह दरअसल अमेरिका के साथ कारोबारी शर्त की कड़ाई का पहला चरण है। ट्रंप लंबे समय से यह कहते आ रहे हैं कि अमेरिका के कारोबारी साझेदार विभिन्न देश अमेरिका को कारोबार में भारी घाटा दे रहे हैं। वस्तुत: ट्रंप अमेरिका के औद्योगिक क्षेत्र को संरक्षण देकर उसमें नई जान फूंकना चाहते हैं। उनकी धारणा है कि वैश्वीकरण दुनिया के कई इलाकों में नाकाम साबित हो चुका है और यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए भी नुकसानदेह है। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री विल्बर रॉस ने यहां तक कह दिया है कि अमेरिका ने दूसरे विश्व युद्ध के समाप्त होने के बाद से ही यूरोप और एशियाई देशों को भारी रियायतें दी हैं, अब इनके जारी रहने का कोई तुक नहीं है। गौरतलब है कि अमेरिका सहित कई विकसित देशों के लोग भी संरक्षण के हिमायती दिखाई दे रहे हैं।

''द वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने हाल ही में एनईआरए इकोनॉमिक कंसल्टिंग के अध्ययन की एक रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसके मुताबिक इस्पात एवं एल्युमीनियम के आयात शुल्क में इजाफा किए जाने से इस क्षेत्र में घरेलू रोजगार और उत्पादन में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है। अमेरिका का कहना है कि विश्व व्यापार की समस्या का संबंध चीन से सबसे ज्यादा है। चीन अपने उन वादों पर खरा नहीं उतरा है, जो उसने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के दायरे में आते समय किए थे। चीन ने कहा था कि वह अपने घरेलू बाजार को उदार बनाएगा और नियामकीय और मेहनताने के मानकों में सुधार करेगा। लेकिन वर्तमान परिदृश्य बता रहा है कि कोष विश्व के साथ चीन का व्यापार अधिशेष आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण है। अमेरिका ने न केवल चीन के साथ वरन जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी और भारत जैसे देशों के साथ भी व्यापार युद्ध की शुरुआत कर दी है। भारत से वह इसलिए चिढ़े हुए हैं क्योंकि भारत ने मोटरसाइकिल पर आयातित शुल्क में उनकी इच्छा के मुताबिक कमी नहीं की है। ऐसे में दुनिया के अर्थविशेषज्ञों का कहना है कि यदि विश्व व्यापार व्यवस्था वैसे काम नहीं करती जैसे कि उसे करना चाहिए तो डब्ल्यूटीओ ही एक ऐसा संगठन है, जहां इसे दुरुस्त किया जा सकता है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो दुनियाभर में विनाशकारी व्यापार लड़ाइयां ही 21वीं शताब्दी की हकीकत बन जाएंगी। निश्चित रूप से अमेरिका के संरक्षणवादी कदमों से भारत के वस्तु एवं सेवा क्षेत्र से संबंधित कंपनियों की परेशानी बढ़ गई है। सबसे पहले भारत के द्वारा अमेरिका को किए जा रहे इस्पात और एल्युमीनियम निर्यात पर असर दिखाई देगा। भारत ने 2016-17 में अमेरिका को 2346 करोड़ रुपये का एल्युमीनियम और उसके उत्पाद निर्यात किए। अमेरिका को किए जाने वाले कुल एल्युमीनियम निर्यात में भारत की हिस्सेदारी दो फीसद है। वर्ष 2016-17 में भारत ने अमेरिका को 10600 करोड़ रुपये का स्टील निर्यात किया। 2.4 फीसद हिस्सा अमेरिका को स्टील निर्यात में भारत का है। भारत से अमेरिका को किए जाने वाले इस्पात और एल्युमीनियम निर्यात में पिछले वर्ष 2017 में करीब 50 फीसद की वृद्धि हुई है। अमेरिकी कारोबारी और राजनयिक भारत पर सीमा-शुल्क एवं दूसरे कर घटाने के लिए लगातार दबाव बना रहे हैं। भारत ने दिसम्बर 2017 में मोबाइल और टेलीविजन सहित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ा दिया था।

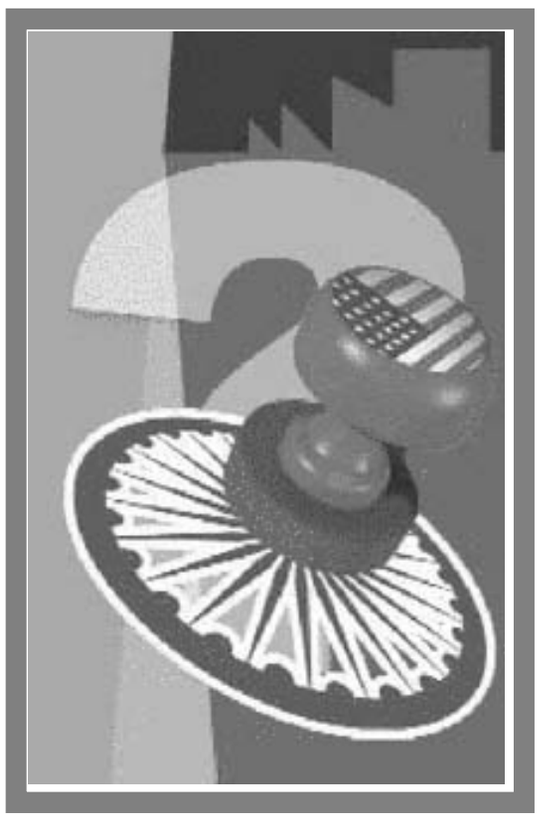

नये बजट 2018-19 में 40 अन्य उत्पादों पर आयात शुल्क में बढ़ोतरी की गई। इससे अमेरिकी कारोबारी चिंतित हैं और अमेरिका की सरकार ने व्यापार बढ़ाने के लिए भारत को आयात शुल्क में कमी करने को कहा है। भारत से विभिन्न वस्तुओं के आयात संबंधी मुश्किलों से भी ज्यादा चिंता सेवा क्षेत्र के तहत अमेरिका द्वारा भारत के आईटी उद्योग के लिए दीवारें खड़ी करने से संबंधित है। नि:संदेह पिछले एक दशक से भारत का आईटी उद्योग जिस तेजी से छलांगें लगाकर आगे बढ़ रहा था, उस आईटी उद्योग के लिए अमेरिका व अन्य विकसित देशों के लिए बनाए गए वीजा संबंधी नये नियमों से आगे बढ़ने की तेज गति धीमी हो जाएगी। भारत को सेवा क्षेत्र से प्राप्त होने वाली विदेशी मुद्रा की कमाई में आईटी सेक्टर चमकते हुए पहले क्रम पर है। गौरतलब है कि अमेरिका में वित्त वर्ष 2019 के लिए एच-1बी वीजा आवेदन करने का सीजन 2 अप्रैल से शुरू होने का अनुमान है। इस सीजन से ही एच-1बी वीजा संबंधी नियम और सख्त कर दिए गए हैं। न केवल अमेरिका में वरन दुनिया के कई विकसित देशों से कुशल भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए वीजा संबंधी मुश्किलें बढ़ी है। इस तरह अमेरिका सहित विकसित देशों में घरेलू स्तर पर उत्पादन बढ़ाने और स्थानीय लोगों के लिए नौकरियों को बढ़ावा देने की अंतमरुखी नीति का परिदृश्य भारत सहित विकासशील देशों के लिए नये वीजा नियमों कुशल पेशेवरों के नियंतण्रसंबंधी प्रतिबंध डब्ल्यूटीओ के उद्देश्य के प्रतिकूल हैं। गौरतलब है कि डब्ल्यूटीओ दुनिया को नियंतण्र गांव बनाने का सपना लिये हुए एक ऐसा नियंतण्र संगठन है, जो व्यापार एवं वाणिज्य को सहज एवं सुगम बनाने का उद्देश्य रखता है। किन्तु डब्ल्यूटीओ के 22 वर्षो बाद विकासशील देशों के करोड़ों लोग यह अनुभव कर रहे हैं कि डब्ल्यूटीओ के तहत विकासशील देशों का शोषण हो रहा है। ऐसे में नियंतण्र व्यापार युद्ध की नई चिंताओं के मद्देनजर जरूरी है कि भारत एवं अन्य विकासशील देशों द्वारा डब्ल्यूटीओ के तहत अमेरिका सहित विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों के उत्पादों और पेशेवर प्रतिभाओं पर लगाई जा रही वीजा रोक प्रवाह का मुद्दा जोरदार ढंग से उठाना होगा। यह बात आगे बढ़ाई जानी होगी कि डब्ल्यूटीओ के तहत सदस्य देशों के बीच पूंजी प्रवाह नियंतण्रमुक्त है, तो अमेरिका सहित विकसित देशों में वस्तुओं एवं सेवाओं का व्यापार और श्रम और प्रतिभा प्रवाह भी नियंतण्रमुक्त रहने चाहिए।

चलते चलते

बजट सत्र

संसद के दोनों सदनों के सत्र साल-दर-साल बीतते जा रहे हैं लेकिन काम रत्ती भर भी नहीं हो पा रहा है। ऐसा सिर्फ इस बार नहीं हो रहा। कई सालों से सदन हंगामे की भेंट चढ़ रहा है। हो-हल्ला, हंगामा, चिल्ल-पों और अमर्यादित ढंग से सांसद विधान के मंदिर को शोर के मंच में तब्दील कर दिया गया है। बजट सत्र के दूसरे चरण का तीसरा दिन पंजाब नेशनल बैंक में हुए घोटाले और अन्य सियासी मसलों को लेकर स्थगित हो गया। ऐसा लगता है किसी भी माननीय को इस बात से अंश मात्र भी फर्क नहीं पड़ता कि वे चीखते-चिल्लाते क्यों हैं और सदन की कार्यवाही में जो खर्च होता है, वह उस मेहनतकश जमात का है, जो खून-पसीना एक कर सरकार को टैक्स अदा करती है। तो लाख टके का सवाल यही कि जब बाकी संस्थानों में ''काम नहीं तो वेतन नहीं' का प्रावधान है तो यह नियम सांसदों पर लागू क्यों नहीं हो सकता है? आखिर इन लोगों को सदन में हंगामा करने का अधिकार किसने दिया है? यह बात किसी से छिपी नहीं है कि संसद में कामकाज के हालात बद-से-बदतर होते जा रहे हैं। और हर बार सदन के न चल पाने पर जार-जार रोने और चिंता जताने के बावजूद हालात जस-के-तस हैं। 2015 में 11 राज्यों के 111 सांसदों ने बिना लाग-लपेट के कहा कि काम नहीं तो वेतन नहीं का नियम लागू होना चाहिए। हालांकि कई दलों के सांसद इस सलाह से इत्तेफाक रखते नजर नहीं आए। खैर, इन सब चर्चाओं-हंगामों के बीच यह जान लेना जरूरी है कि संसद के एक मिनट का खर्च ढाई लाख रुपये पड़ता है। राज्य सभा की कार्यवाही जहां 5 घंटे होती है तो लोक सभा की 8-11 घंटे। दोनों सदनों के रोजाना के काम के घंटे को मिला दें तो सोमवार से शुक्रवार का खर्च बैठता है 115 करोड़ रुपये। माननीयों को इसका अहसास कब होगा? कोई नहीं जानता। दरअसल, यह सब कुछ संसद, सांसद और विभिन्न दलों से चुनकर आए जनप्रतिनिधियों की छवि का भी मसला है, जिसे वक्त रहते बदलना हर किसी के लिए हितकर होगा। क्योंकि, हर कोईही कहता है कि-संसद अब सुनती कम है, विरोध का शोर बहुत ज्यादा मचने लगा है।

> **कई सालों से सदन हंगामे की भेंट चढ़ रहा है। हो-हल्ला, हंगामा, चिल्ल-पों और अमर्यादित ढंग से सांसद विधान के मंदिर को शोर के मंच में तब्दील कर दिया गया है। बजट सत्र के दूसरे चरण का तीसरा दिन पंजाब नेशनल बैंक में हुए घोटाले और अन्य सियासी मसलों को लेकर स्थगित हो गया। किसी भी माननीय को इस बात से अंश मात्र भी फर्क नहीं पड़ता कि वे चीखते-चिल्लाते क्यों हैं**

फोटोग्राफी...

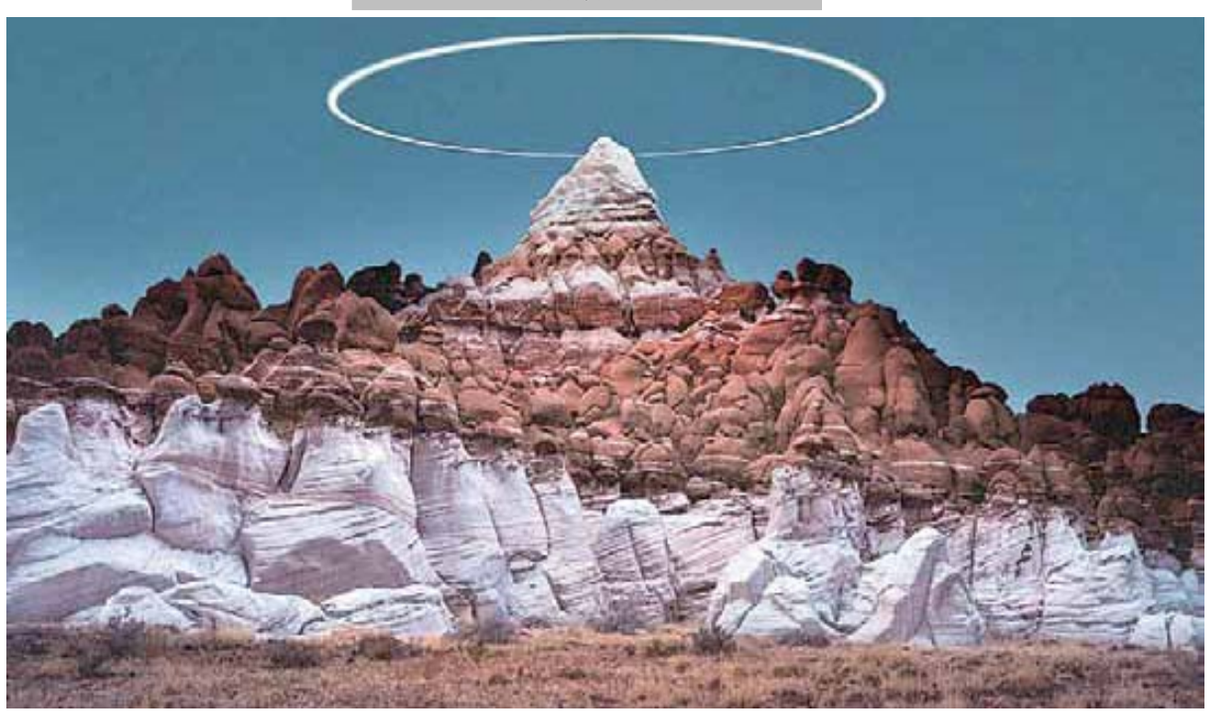

यह फोटो अमेरिकी राज्य एरिजोना के वर्मिलटन क्लिफ नेशनल मॉन्यू मेंट का है, जिसे शिकागो के फोटोग्राफर रुबेनवु ने क्लिक किया है। उन्होंने बताया कि रात के वक्त इस तरह पर्वत चोटी का प्रभामंडल दिखाने के लिए वे पिछले दो वर्ष से कोशिश कर रहे थे। फिर कुछ दिन पहले वह मौका आया, तब आकाश में नीले रंग की रोशनी बिखरी थी। उसी दौरान उन्होंने अपना ड्रोन उस चोटी के ऊपर सर्कल में दौड़ा या और लंबे एक्स पोज़र से यह दृश्य क्लिक किया। रुबेन ने इसमें घूमते ड्रोन कैमरे की रोशनी को सर्कल में दिखाया है, उससे पर्वत चोटी भी चमकने लगी थी। कुछ दिन बाद उन्होंने इस फोटो को पीडीएन फोटोग्राफी स्पर्धा में भेजा, वहां उन्हें लैन्डस्के प श्रेणी का पुरस्कार दिया गया। वे कहते हैं, बचपन से मेरा ख्वा ब उड़ने वाला कैमरा हासिल करने का था, वह अब पूरा हुआ है। 10 वर्ष संगीत की दुनिया में रहने के बाद भाग्य ने फिर मुझे फोटोग्राफी में भेज दिया, आज यही मेरी ज़िंदगी है। instagram.com

स्पिरिट ऑफ डेमोक्रेसी

विधान के निर्माताओं का संविधान को बनाने के पीछे उद्देश्य ये था कि भारत यूनिटी इन डाइवर्सटी, स्पिरिट ऑफ डेमोक्रेसी और सामाजिक क्रांति के लक्ष्यों को प्राप्त कर सके। इसके लिए समावेशी विकास की आवश्यकता है तभी गरीबी, भुखमरी, निरक्षरता और सामाजिक कुरुतियों से छुटकारा मिल सकेगा, संविधान निर्माताओं ने इस लक्ष्य को पाने के लिए संविधान में आरक्षण का प्रावधान किया ताकि समाज के वंचित समूह समाज की मुख्यधारा में आकर भारत निर्माण में अपना योगदान दे सकें। इसके साथ-साथ प्रजातांत्रिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान कर सके। संविधान बनाने वालों का मानना था कि राजनीतिक प्रजातंत्र को सामाजिक प्रजातंत्र में तब्दील करना है ताकि आजादी, समानता और भाईचारा का समाज से तारतम्य हो सके। पिछले सात दशक में देखें तो पाते हैं कि आरक्षण का लाभ समाज के वंचित लोगों तक पहुंचा है और सामाजिक समरसता भी बढ़ी है। अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अतिरिक्त पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को क्रमश: 15 फीसद, 7.5 फीसद और 27 फीसद आरक्षण का प्रावधान है, मगर जब केंद्रीय विविद्यालय में दाखिले में आरक्षण लागू हुआ तब सुप्रीम कोर्ट ने 50 फीसद सीटें बढ़ा दी ताकि जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स की सीट कम न हो सके।

आरक्षण लागू होने से लगभग 50 फीसद वर्क लोड बढ़ गया, जिससे 50 फीसद शिक्षक के नये पद की जरूरत केंद्रीय विविद्यालयों और उससे संबद्ध कॉलेज में हुई। 47 केंद्रीय विविद्यालयों में फि लहाल करीब 6000 पद खाली हैं। इसके लिए रोस्टर के ऊपर नियम बदल दिया गया है। चौथा सीट ओबीसी को, पांचवां और छठा सीट सामान्य वर्ग के कैंडिडेट को जाता है, सातवां एससी को, आठवां फिर ओबीसी, नौवां, दसवां और ग्यारहवां पद सामान्य वर्ग के कैंडिडेट को जाता है, बारहवां फिर ओबीसी को जाता है और तेरहवां सामान्य और चौदहवां एसटी को जाता है। चूंकि विभाग को यूनिट माना गया है, इसलिए जिस विभाग में 3 पद हैं, वहां आरक्षण की सुविधा नहीं मिल पाएगी या जहां 6 पद हैं वहां सिर्फ1 ओबीसी का आरक्षित पद है या फिर जहां बारह पद है वहां एसटी वर्ग आरक्षण लाभ से वंचित है। इस नये बदलाव से सबसे ज्यादा नुकसान क्रमश: एसटी, एससी और ओबीसी तबमे को होगा। 13 प्वॉइंट रोस्टर से आरक्षण का उद्देश्य ही खत्म हो जाता है, जोकि संविधान के मौलिक अधिकारों का हनन है। इलाहाबाद हाकोर्ट का यह मानना है कि किसी संस्था को यूनिट मानें तो यह संभव है कि किसी एक विभाग में सभी पद आरक्षित श्रेणी के कैंडिडेट को जा सकता है या फिर सभी सामान्य वर्ग के कैंडिडेट को जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो यह गलत होगा और संविधान के अनुच्छेद 14 जोकि समानता के अधिकार और अनुच्छेद 16 अवसरों की समानता का विरोध करता दिखता है। इसी कारण विविद्यालय अनुदान आयोग ने 5 मार्च 2018 को विविद्यालयों को लिखा कि नियुक्तियां 13 प्वॉइंट रोस्टर से शुरू की जाए। 13 प्वॉइंट रोस्टर आरक्षण के मूल भाव को ही नष्ट कर रहा है, इसके बावजूद इस नियम को अमल में लाने का फरमान जारी किया गया है। इस निर्णय से प्रतियोगी विचलित हैं और नियुक्तियों में भी देरी हो रही है। कुछ लोगों का तो यहां तक मानना है कि आरक्षण के नाम पर राजनीति हावी है। जब तक आरक्षण अपने उद्देश्य में सफल नहीं होगा, तब तक भारत में वंचित और शोषित समाज मुख्यधारा में अपना योगदान नहीं दे पाएगा। आरक्षण ही सामाजिक कुरीतियों को हटा कर भारत को प्रतिद्वंद्वी बाजार में हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सकेगा और संविधान के लक्ष्यों की प्राप्ति कर सकेगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने दक्षिण कोरिया को 3-1 से दी शिकस्त

सोल। भारतीय महिला हाकी टीम ने आल राउंड प्रदर्शन करते हुए पांच मैचों की सीरीज के चौथे मैच में आज यहां अपने से ऊंची रैंकिंग की कोरियाई टीम पर3-1 से जीत दर्ज की। दुनिया की दसवें नंबर की टीम ने इस तरह सीरीज में3-1 की अजेय बढ़त बना ली है और इसका अंतिम मैच रविवार को खेला जायेगा। पहले क्वार्टर में गुरजीत कौर(दूसरे मिनट) और दीपिका(14) ने गोल कर भारत को2-0 से आगे कर दिया। इसके बाद पूनम रानी ने47 वें मिनट में मैदानी गोल दागा। मेजबानों के लिये मि हुन पार्क ने57 वें मिनट में सांत्वना गोल किया।

मैच के शुरू में भारत ने दक्षिण कोरियाई डिफेंस पर दबाव बना दी और दूसरे ही मिनट में पेनल्टी कार्नर हासिल किया जिसे गुरजीत कौर ने गोल में तब्दील किया। दक्षिण कोरिया को हालांकि चौथे ही मिनट में बराबरी करने का मौका मिला लेकिन पेनल्टी कार्नर का यह शाट वाइड निकल गया। भारतीय गोलकीपर स्वाती ने10 वें मिनट में एक और पेनल्टी कार्नर का बचाव किया। भारत ने14 वें मिनट में पेनल्टी कार्नर हासिल किया जिस पर दीपिका ने गोल कर टीम को पहले क्वार्टर में2-0 से बढ़त दिला दी। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमें मौके जुटाती रहीं लेकिन कोई भी प्रतिद्वंद्वी गोलकीपर को पस्त नहीं कर सकीं। हाफ टाइम तक भारत की दो गोल की बढ़त बरकरार रही। तीसरे क्वार्टर में भी यही हाल रहा, मेजबान टीम ने इसमें कई प्रयास किये लेकिन भारतीयों ने तीसरा गोल कर दबदबा बना लिया। वंदना कटारिया के पास पर पूनम रानी ने47 वें मिनट में गोल दागा। हालांकि मेजबान ने57 वें मिनट में मि हुन पार्क ने सांत्वना गोल किया।

शरत ने विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज कोकी नीवा को हराया

दोहा। भारत के टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल और जी साथियान ने आईटीटीएफ विश्व टूर प्लेटिनम कतर ओपन में आज शानदार शुरूआत करते हुए पुरूष एकल वर्ग के प्री क्वार्टरफाइनल में विश्व रैंकिंग में क्रमशः सातवें स्थान पर काबिज कोकी नीवा और 27वें स्थान पर काबिज युया ओशिमा को मात दी। शरत ने अंतिम 32 के मैच में नीवा को आसानी से 8-11, 11-9, 11-8, 14-12, 11-9 से शिकस्त दी।

साथियान को ओशिमा को हराने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। साथियान ने 15वीं वरीय खिलाड़ी के खिलाफ यह रोमांचक मुकाबला 6-11, 11-5, 2-11, 12-10, 10-12, 11-4, 11-8 से अपने नाम किया। हालांकि दोनों की जोड़ी को पुरूष युगल मुकाबले के क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। शरत-साथियान की जोड़ी चीन के फांग बो और लीन गोयूआन की शीर्ष वरीय जोड़ी से 12-10, 10-12, 1-11, 10-12 से हार गयी।

कोरियाई बैडमिंटन खिलाड़ी जंग जेई संग का शुक्रवार को निधन

नई दिल्ली। कोरियाई बैडमिंटन खिलाड़ी जंग जेई संग का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 35 साल के थें। डबल के पूर्व विश्व नंबर 1 जंग ने 2012 लंदन ओलंपिक में अपने साथी ली योंग डे के साथ कांस्य पदक जीता था। रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को जंग जेई संग का देर रात दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। जंग जेई संग को मृत अवस्था में सबसे पहले उनकी पत्नी ने देखा। एक कोरियाई बैडमिंटन एसोसिएशन के अधिकारी ने बताया कि मौत के कारण का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। शनिवार को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

बच्चे के जन्म के बाद सेरेना ने की जीत से शुरुआत

न्यूयार्क। अमेरिका की सेरेना विलियम्स ने बच्चे के जन्म के बाद वापसी करते हुए यहां बीएनपी परिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट में जरीना डियास को 7-5, 6-3 से हराकर विजयी शुरूआत की है। 14 महीने में यह पूर्व नंबर एक सेरेना का पहला एकल मैच है। वर्ष 2017 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद प्रोफेशनल टेनिस में वापसी कर रहीं सेरेना ने सेंटर कोर्ट पर घरेलू समर्थकों के सामने जीत दर्ज की। उन्होंने मैच में 27 बेजां भूलें कीं और 34 विनर्स लगाए। हालांकि उनके लिए मैच काफी आसान नहीं रहा। ओपनिंग सेट में उन्होंने दो अंक गंवाए, लेकिन फिर सहजता के साथ खेल दिखाया। कॅरियर में 23 ग्रैंड स्लेम जीत चुकीं सेरेना के सामने डियास ने काफी चुनौतीपूर्ण प्रदर्शन किया और पहले सेट में 5-5 पर स्कोर बराबर किया, हालांकि कजाखिस्तान की खिलाड़ी की अगले गेम में अमेरिकी खिलाड़ी ने सर्विस ब्रेक कर बढ़त बना ली। 36 वर्षीय सेरेना ने दूसरे सेट में फिर आसानी से जीत दर्ज की। सेरेना इस वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताब का बचाव करने नहीं उतर सकी थीं, लेकिन वह फिर से वापसी को तैयार दिखाई दे रही हैं।

शमी की मुश्किलें बढ़ी, पत्नी ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

कोलकाता। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां ने आज क्रिकेटर पति के खिलाफ घरेलू हिंसा और बेवफाई करने का आरोप लगाते हुए पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई। हसीन ने कोलकाता के संयुक्त पुलिस आयुक्त प्रवीण त्रिपाठी को लिखित शिकायत दी जिसे उन्होंने प्राथमिकी के समकक्ष बताया।

त्रिपाठी ने संवाददाताओं से कहा, 'हमें क्रिकेटर की पत्नी से शिकायत मिली है जहां उन्होंने अपने पति पर शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। हमने अभी फैसला नहीं किया है कि किस धारा में मामला शुरू किया जा सकता है।' त्रिपाठी से मिलने के बाद हसीन जहां ने कहा कि उन्होंने अपनी आपबीती पुलिस को बताई है और अधिकारी

शूटिंग वर्ल्ड कप: भारत को एक और कामियाबी, अंजुम को मिला सिल्वर मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय निशानेबाज अंजुम मुदगिल ने मेक्सिको के गुआदालाजारा में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप की महिला 5 मीटर राइफल थ्री पाजीशंस स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। यह भारत का टूर्नामेंट में आठवां पदक है और तीन स्वर्ण और चार कांसे जीतने के बाद यह पहला रजत पदक है। भारतीय निशानेबाजों का यह आईएसएसएफ विश्व कप में अभी तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

बता दें कि यह अंजुम का पहला वर्ल्ड कप मेडल है। उन्होंने तेज हवा के बावजूद 45 शाट के फाइनल में 452.2 अंक का स्कोर बनाया जिससे वह पूर्व जूनियर विश्व चैम्पियन चीना की रूईजाओ पेई (455.4 अंक) से पीछे दूसरे स्थान पर रहीं। टिंग सुन ने 442.2 अंक से कांस्य पदक जीता। भारत इस तरह पदक तालिका में आठ पदकों से शीर्ष पर बना हुआ है जबकि चीन दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक से दूसरे स्थान पर है। अंजुम फाइनल में शुरू से ही पदक की दौड़ में बनी हुई थी और 15 शॉट के नीलिंग पाजीशन में वह रूईजाओ और स्लोवाकिया की जीवा दोवोरसाक के बाद तीसरे स्थान पर थीं।

उन्होंने नीलिंग पाजीशन के बाद पांच शाट की दूसरी प्रोन पाजीशंस सीरीज के बाद बढ़त बना ली और वह इसके अंत में जर्मनी की नंबर एक निशानेबाज जोलिन बीयर से 0.9 अंक से आगे थी। 15 शॉट की प्रोन सीरीज के बाद अंजुम की बढ़त कायम रही। हालांकि अंतिम स्टैंडिंग सीरीज के 10वें शाट में वह चौथे स्थान पर पहुंच गयी, जिसमें से पहले दो फाइनलिस्ट आठ निशानेबाजों से बाहर हो जाते हैं। 41वें शॉट में 10.8 अंक के शानदार प्रदर्शन से दूसरे स्थान पर आ गयी और उन्होंने 10.2, 10.1, 9.5 और 10.2 अंक के स्कोर से विश्व कप में अपने करियर का पहला पदक हासिल किया। इससे पहले क्वालीफाइंग दौर में उन्होंने प्रोन राउंड में 400 में से 399 का स्कोर बनाया था जिससे वह कुल 1170 के स्कोर से पेई के बाद दूसरे स्थान से आठ महिलाओं के फाइनल में पहुंची थी। पेई ने 1178 का स्कोर बनाया था। गायत्री भी फाइनल्स की दौड़ में थी लेकिन 1153 अंक के कुल स्कोर से वह 15वें स्थान पर रहीं। पूर्व प्रोन विश्व चैम्पियन तेजस्विन सावंत ने भी यही स्कोर बनाया लेकिन वह गायत्री से पीछे रहीं। पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में 15 वर्षीय अनीश भानवाला के पास शीर्ष छह फाइनलिस्ट में पहुंचने का मौका था लेकिन वह सातवें स्थान पर रहे। नीरज कुमार 13वें स्थान पर रहे।

टीम इंडिया के इस ओपनर ने खेले 130 वनडे लेकिन नहीं लगा पाया एक भी छक्का

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अगले महीने से आईपीएल शुरू हो रहा है. आईपीएल यानी क्रिकेट प्रेमियों के संपूर्ण मनोरंजन. आईपीएल में दर्शकों की बल्लेबाजों से अपेक्षा होती है कि वे हर बाल पर गगनचंबी छक्के जड़ें. कुछ खिलाड़ियों ने अपनी पहचान ही 'सिक्सर किंग' के रूप में बनाई है. इनमें से क्रिस गेल, एबी डीविलियर्स, युवराज सिंह का नाम लिया जा सकता है. लेकिन क्रिकेट की दुनिया में कुछ ऐसे बल्लेबाज भी हुए हैं कि जो अपने पूरे वनडे करियर के दौरान एक भी छक्का नहीं जड़ पाए. कुछ ऐसे बल्लेबाज भी हैं जिनका नाम ओपनर बल्लेबाजों में शुमार है और उन्होंने अच्छे खासे रन भी बनाए हैं लेकिन छक्के लगाने के मामले में फिसड्डी हैं. आज हम ऐसे ही टीम इंडिया के एक ओपनर के बारे में चर्चा करने जा रहे हैं जिन्होंने 130 वनडे खेले लेकिन कभी भी

छक्का नहीं लगा पाए.

सबसे पहले टीम इंडिया के ओपनर बल्लेबाज मनोज प्रभाकर की बात करते हैं. मनोज प्रभाकर ऑलराउंडर थे. उन्होंने टीम इंडिया के लिए 1984 से 1996 तक क्रिकेट खेली. प्रभाकर ने अपने पूरे वनडे करियर में 130 मैच खेले और 1858 रन भी बनाए जिसमें 2 शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं. बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन के बावजूद मनोज कभी भी छक्का नहीं लगा सके. बात अगर उनके टेस्ट करियर की जाए तो उन्होंने 39 टेस्ट मैचों में 33 की औसत के साथ 1600 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और 11 अर्धशतक लगाए हैं. टेस्ट में उन्होंने 4 छक्के जरूर लगाए हैं.

गौतम गंभीर: वैसे तो गौतम गंभीर का सलामी बल्लेबाज के तौर बड़ा नाम है लेकिन छक्के लगाने के मामले में उनका रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं है. गौतम गंभीर ने 58 टेस्ट मैचों की 104 पारियों में 41.96 की औसत से कुल 4154 रन बनाए हैं जिसमें 9 शतक और 22 अर्धशतक शामिल है. उनका उच्चतम स्कोर 206 रन रहा. छक्कों की बात करें तो टेस्ट मैच में गंभीर ने केवल 10 छक्के लगाए हैं. गौतम गंभीर के वनडे करियर की बात करें तो उन्होंने 147 वनडे मैचों की 143 पारियों में 5238 रन बनाए हैं जिसमें 11 शतक और 34 अर्धशतक शामिल हैं. गंभीर ने अपने पूरे वनडे करियर में महज 17 छक्के लगाए हैं.

अफगानिस्तान के लिए मुश्किल हुई विश्व कप की राह

बुलावायो (एजेंसी)।

अंशुमान रथ के 65 रन और एहसान खान के 33 रन पर चार विकेट के दम पर हांगकांग ने आईसीसी विश्व कप क्रिकेट क्वालीफायर ग्रुप बी के मैच में अफगानिस्तान को बारिश से प्रभावित मैच में डकवर्थ लुईस नियम से 30 रनों से हराकर उलटफेर किया। युवा लेग स्पिनर राशिद खान की कप्तानी में खेल रही अफगानिस्तान की यह तीन मैचों में तीसरी हार है और उसके लिए अब सुपर सिक्स में क्वालीफाई करना काफी मुश्किल हो गया है। हांगकांग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 241 रन बनाए। रथ के अलावा हांगकांग के पांच बल्लेबाज ने 20 रन का आंकड़ा पार किया, लेकिन लंबी पारी नहीं खेल पाए। मुजीब उर रहमान और मोहम्मद नबी को तीन-तीन सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान के टीम 46 ओवर में नौ विकेट पर 195 रन ही बना सकी। शुरूआत से ही उनके विकेट लगातार अंतराल पर गिरते रहे। नबी (38) और नजिबुल्ला जदरान (32) की पांचवे विकेट के लिए 59 रन की साझेदारी टूटते ही पारी एक बार फिर

लडखड़ा गई। अफगानिस्तान के 43वें ओवर में सात विकेट पर 167 के स्कोर पर बारिश शुरू हो गयी और मैच को 46 ओवर का कर दिया गया तथा जीत के लक्ष्य को 236 रन कर दिया गया। बारिश से पहले अफगानिस्तान को सात ओवर में 75 रन चाहिए थे, लेकिन बारिश के बाद डकवर्थ लुईस नियम यह तीन ओवर में 59 रन हो गया जिसे टीम हासिल नहीं कर सकी।

श्रीनिवासन का पलटवार, कहा झूठ बोल रहे हैं दिलीप वेंगसरकर

चेन्नई। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष एन श्रीनिवासन ने दिलीप वेंगसरकर के उन दावों को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया कि इस पूर्व भारतीय कप्तान को चयनसमिति के अध्यक्ष पद से हटाने के लिये वह जिम्मेदार थे। श्रीनिवासन ने इन आरोपों को' पूरी तरह से गलत, प्रेरित और निराधार' बताया। वेंगसरकर ने दावा किया था कि2008 में तमिलनाडु के घरेलू स्तर पर शीर्ष बल्लेबाज एस बद्रीनाथ पर विराट कोहली को तरजीह देने के कारण उन्होंने चयनसमिति के अध्यक्ष का पद गंवा दिया था और इसके लिये बीसीसीआई के तत्कालीन कोषाध्यक्ष एन श्रीनिवासन जिम्मेदार थे। श्रीनिवासन ने यहां पत्रकारों से कहा, '' वह किस की तरफ से कह रहे हैं। इसके पीछे का मंतव्य क्या है। यह जो भी है, यह सच्चाई नहीं है। जब एक क्रिकेटर इस तरह की बात करता है तो यह अच्छा नहीं है। उनकी टिप्पणी कि वहपद पर नहीं बने रहे, इसके लिये मैंने हस्तक्षेप किया, कतई सच नहीं है। अब इस बात को कहने का मतलब क्या है।'' उन्होंने कहा, '' मैं चयन मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता था। वह किस हस्तक्षेप की बात कर रहे हैं।'' श्रीनिवासन ने कहा कि वेंगसरकर ने 2008 में चयनसमिति के अध्यक्ष का पद इसलिए गंवाया थाक्यों कि वह मुंबई क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष पद पर बने रहना चाहते थे।

जेएसडब्ल्यू के अब दिल्ली डेयरडेविल्स में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी

नयी दिल्ली। दिल्ली डेयरडेविल्स के मालिक जीएमआर ग्रुप ने अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी में जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ आज हिस्सेदारी पर करार किये, हालांकि इसके लिये अभी भारतीय क्रिकेट बोर्ड की मंजूरी बाकी है। जेएसडब्ल्यू ग्रुप शीर्ष फुटबाल क्लब बेंगलुरू एफसी का मालिक है, इसके अलावा वह शीर्ष ओलंपियन खिलाड़ियों की मदद करता है। इस मामले को16 मार्च को आईपीएल संचालन परिषद के समक्ष रखा जायेगा लेकिन यह करार पक्का लगता है कि क्योंकि बीसीसीआई के दिग्गज को पहले ही संज्ञान में ले लिया गया था। यह सिर्फ औपचारिकता मात्र है। यह देखना दिलचस्प होगा कि दिल्ली डेयरडेविल्स के प्रबंधन ढांचे में कुछ बदलाव होगा कि नहीं। उम्मीद है कि इस साल आईपीएल में मौजूदा ढांचा यही रहेगा क्योंकि टूर्नामेंट एक महीने से कम समय में शुरू हो जायेगा।

हालांकि दोनों पक्षों ने50 प्रतिशत हिस्सेदारी पर चुप्पी साधी हुई थी। दिल्ली डेयरडेविल्स ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''जीएमआर ग्रुप ने आज घोषणा की कि उसने जेएसडब्ल्यू से जीएमआर स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड(जीएसपीएल) की जीएमआर ग्रुप्स क्रिकेट फ्रेंचाइजी'' डीडी'' में50-50 प्रतिशत की हिस्सेदारी पर करार किया है। जीएमआर ग्रुप के प्रोमोटर जीएसपीएल के मालिक हैं।''

इस कारण दबाव में नहीं आना चाहते हैं विजय शंकर

कोलंबो (एजेंसी)।

टी-20 त्रिकोणीय सीरीज में भारतीय टीम की जीत के असली हीरो ऑल राउंडर विजय शंकर ने कहा कि वह हार्दिक पांड्या के साथ तुलना करके खुद को दबाव में नहीं लाना चाहते और इसके बजाय वह अपने प्रदर्शन में सुधार करने पर ध्यान लगाएंगे।

विजय ने दो अहम विकेट झटककर मैन ऑफ द मैच पुरस्कार हासिल किया जिससे भारत ने बीती रात त्रिकोणीय सीरीज के दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बांग्लादेश को छह विकेट से शिकस्त दी थी।

उन्होंने कहा कि मेरे लिए, सबसे महत्वपूर्ण चीज हर दिन बेहतर से बेहतर होना है। मैं हार्दिक से तुलना का दबाव नहीं चाहता, क्योंकि वह भी ऑल राउंडर हैं। मुझे लगता है कि ज्यादातर क्रिकेटर तुलना नहीं चाहते, लेकिन हम सभी के लिए यह अहम है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ दिखाएं और खुद को दबाव में लाने के बजाय अपना बेहतर प्रदर्शन करें।

उनसे यह सवाल पूछा गया था कि वह बतौर ऑल राउंडर टीम में अपना स्थान पक्का करने के लिए किस तरह की योजना बना रहे हैं जबकि हार्दिक इस स्थान पर मजबूती से बने हुए हैं।

विजय को पहले अंतरराष्ट्रीय विकेट का इंतजार करना पड़ा, क्योंकि सुरेश रैना ने मिड ऑफ पर कैच छोड़ दिया था और वाशिंगटन सुंदर भी इस गेंदबाज के पहले ओवर में कैच के प्रयास से चूक गए थे। यह पूछने पर कि ये कैच छोडने से वह प्रभावित हुए थे तो विजय ने कहा कि इससे मुझे ज्यादा असर नहीं पड़ा, क्योंकि कैच छूटना खेल का ही हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से उस समय अगर मुझे पहला विकेट मिलता तो मुझे अच्छा लगता है, लेकिन हम जानते हैं कि सफेद बॉल से दूधिया रोशनी में क्षेत्ररक्षण करना आसान नहीं है। मैंने इसे इतनी अहमियत नहीं दी थी, मैं सिर्फ अगली गेंद डालने पर ध्यान लगा रहा था।

सूरत। सचिन जी.आई.डी.सी विस्तार में स्वच्छ भारत अभियान की पोल खोलती तस्वीर। सचिन विस्तार में रहने वाले लोगों की बिमरियों का कारण बनती इस गंदगी को देश कर किसी की भी स्वच्छ भारत अभियान से विस्वास उठ जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक सचिन विस्तार में सफाई अभियान चल रहा है लेकिन एक कंपति के पास की इस तस्वीर को देश कर आप सफाई अभियान का काम देख सकते है। कंपनी प्रबंधन का कहना है कि हमने फरियाद दिया हुआ है लेकिन किसी प्रकार की अभी तक कार्यवाही नहीं की गई है। क्या यह कह देने से कंपनी मालीक अपना पल्ला छाड़ सकते है? कंपनी मालीक का कहना है कि हमने 1 साल पहने ही इसकी शिकायत दर्ज कराई थी लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। ऐसे में इस गंदगी की जिम्मेदारी किसी है और इस गंदगी से बीमार होकर मरने वाले लोगों की जिंदगी की जिम्मेदारी किसी है यह सवाल खड़ा कर रही है यह तस्वीर।

सचीन जी.आई.ई.डी.सी में गल्ला, लारी वाले हफ्ताखोरों से परेशान

सूरत। सचिन जी.आई.डी.सी में लारी गल्ला वालों के पास से रोज पैसे लेते माफियाओं से परेशान हेकर पुलिस स्टेशन में शिकायत कराई गई है। इन माफियों के आतंक से परेशान होकर लोगों ने अलग-अलग जगहों पर फरियाद की है। इन माफियाओं के सिर पर किसका हाथ है और कौन-कौन इसमें शामिल है इसका पता तो जांच से ही पता चलेगा। लेकिन पुलिस प्रशान इन हफ्ताखोरों से आम लोगों को जितना जल्दी मुक्ति दिला सकेंगे उतना ही लारी गल्ला वालों के लिए अपने परिवार का पालन-पोषण करने में मदद मिलेगी। अलग-अलग राज्यों से लोग यहा अपने परिवार को खुशहाल जिंदगी देने के लिए सूरत आते है और यहां पर कुछ काम करते है। जिससे वे अपने बच्चों का भविष्य सुधार सके, ऐसे में उनको अगर अपनी गाढी कमाई में से ज्यादा हिस्सा अगर हफ्ता माफिया को देना पड़ जाता है तो उसे अपने परिवार का पालन करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

राज्यसभा चुनाव में गुजरात में फिर होगा भाजपा-कांग्रेस में कांटे का मुकाबला

दो सीटों को लेकर होगी माथापच्ची

अहमदाबाद। पिछले साल गुजरात में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा को बुहत अधिक सीटों के नुकसान हुआ था यह नुकसान अब भाजपा का राज्यसभा की गणित पूरी तरह बिगड़ रहा है। इसके कारण भारतीय जनता पार्टी को गुजरात की दो सीटें गंवाना पड़ सकती है। उल्लेखनीय है कि 23 मार्च को राज्यसभा की 58 सीटों पर चुनाव होना है, जिनमें से चार गुजरात की हैं और ये सभी भाजपा की हैं। दिसंबर, 2017 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों पर गौर करे तो कांग्रेस और भाजपा दोनों पार्टियों को दो-दो सीटें मिलेंगी। गुजरात के 2012 के चुनाव भाजपा के 115 विधायक थे जो अब घटकर 99 रह गए हैं,जबकि कांग्रेस की 60 सीटें थीं जो बढ़कर 77 हो गई हैं। राज्यसभा में इसमाह गुजरात से जो सदस्य निवृत होने जा रहे हैं, उनमें अरूण जेटली, पुरूषोत्तम रूपाला और मनसुख मांडविया मोदी सरकार में मंत्री हैं,जबकि चौथे सदस्य शंकर भाई वेगड हैं। इनमें से अरूण जेटली को पार्टी ने उत्तरप्रदेश से प्रत्याशी बनाया है। बाकी बचे तीन सदस्यों में से दो का चयन पार्टी के लिए मुश्किल भरा होगा। विधानसभा के एक अधिकारी ने बताया कि भाजपा के पास 99 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास 77 सदस्य हैं। राज्यसभा के नियम अनुसार एक सदस्य को जीतने के लिए 38 वोट की जरूरत होगी, इसलिए दोनों पार्टी दो-दो सीट की उम्मीद बांधे हुए हैं। गुजरात कांग्रेस के महासचिव निशित व्यास का कहना है कि विधाय ?कों की संख्या को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस निश्चित तौर पर दो सीटें भाजपा से छीन लेगी। हमारे पास पर्याप्त वोट हैं। कांग्रेस के सूत्र बताते हैं कि गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष भरतसिंह सोलंकी और अन्य नेता जो विधानसभा चुनाव हार गए हैं,जैसे शक्तिसिंह गोहिल,अर्जुन मोढवाडिया,सिद्धार्थ पटेल और तुषार चौधरी भी दौड़ में हैं। सूत्रों के अनुसार, राज्यसभा की सीटों के लिए उम्मीदवारों का अंतिम निर्णय दिल्ली में पार्टी हाईकमान द्वारा लिया जाएगा। पार्टी के अनुसार, भाजपा के लिए 2 सीटों से अधिक यानी तीसरे सदस्य के लिए बड़ी चुनौती होगी,इसलिए वित्तमंत्री अरूण जेटली को दूसरे राज्य में शिफ्ट कर दिया है। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2017 में भाजपा और कांग्रेस के बीच राज्यसभा चुनाव को लेकर घमासान हुआ था। कांग्रेस अपने विधायकों को बेंगलुरू के नजदीक एक रिसोर्ट में ले गई थी,ताकि पार्टी विधायक टूटे नहीं। यह चुनाव दोनों पार्टियों के लिए नाक का सवाल बन गए थे। अंतत: कांग्रेस के अहमद पटेल अपनी सीट बचाने में कामयाब रहे थे।

सामान्य बाबत को लेकर 9वीं कक्षा के छात्र ने की खुदकुशी

सुरत। शहर के कडोदरा स्थित नंदनवन रेसिडेन्सी में रहनेवाली 9वीं कक्षा की छात्रा ने अपने जन्मदिवस के लिए नए कपड़े न मिलने पर नाराज होकर जहरीली दवाई पी कर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की है। सूत्रों के मुताबिक सुरत शहर के कडोदरा नंदनवन रेसिडेन्सी में बाबुभाई दुधाभाई परमार अपने परिवार के साथ रहते हैं। बाबुभाई को 15 वर्षीय किशोरी त्रिशा है, जो कि 9वीं कक्षा में पढाई कर रही है। त्रिशा का आगामी 13 मार्च को जन्मदिवस था।

गुजरात में सायकल घोटाला, शिक्षामंत्री ने दिए जांच के आदेश

धूल खा रही 5 हजार से अधिक सायकल

अहमदाबाद। शुक्र वार को राज्य में सायकल घोटाले का पर्दाफाश हुआ है। राज्य में प्रवेशोत्सव के दौरान गरीब विद्यार्थियों को सायकलें दी जाती हैं, जबकि सरकारी अधिकारियों की लापरवाही के कारण ये सायकलें धूल खा रही हैं। एक के बाद एक जिले में सायकल घोटाला उजागर हो रहा है। आणंद में करीब 5 हजार सायकलों के घोटाले का भंडाफोड़ होने के बाद शिक्षामंत्री ने जांच के आदेश दिए हैं, जबकि आणंद के बाद अब वलसाड जिले का सायकल घोटाला भी बाहर आया है। मिली जानकारी के अनुसार, बलसाड जिले में वर्ष 2015 के शाला प्रवेशोत्सव के दौरान गरीब छात्रों को सायकल वितरण किया जाना था परंतु तीन साल से ये सायकलें वलसाड में धूल खा रही हैं। तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी बच्चों को ये सायकलें नहीं मिली। बताया जाता हैं कि 1 हजार से अधिक सायकलें धूल खाते पड़ी हैं। इसके बाद भी वलसाड जिला प्रशासन गहरी कुंभकर्णी निद्रा में है। पोरबंदर में भी सायकल घोटाला सामने आया है। 2017 के प्रवेशोत्सव के समय छात्रों को सायकल आवंटन के बाद 168 सायकलें बच गई थी। इन सायकलों को नियमानुसार जमा किया जाना था पर विभागीय लापरवाही के चलते इन्हें जमा नहीं करवाया गया और ये भंगार में तब्दील हो गईं। सायकल जमा कराने के लिए समाज कल्याण अधिकारी ने सरकार को पत्र भी लिखा पर कोई सुनवाई नहीं हुई। उल्लेखनीय है कि आणंद जिले के बोरसद में पंचायत के एक कमरे में करीब 5 हजार से अधिक सायकलें धूल खाती हुई हालत में मिली थी। माना जा रहा है कि ये सायकलें 2015 में छात्रों को वितरित की जाना थी। सायकल घोटाले के बाद शिक्षा मंत्री भूपेंद्रसिंह चुडासमा ने जांच के आदेश दिए थे। ठासरा तहसील के वाणुती प्राथमिक शाला के प्रार्थना खंड में भी करीब 4 सौ से अधिक सायकलें मिलीं थीं। इन सायकलों पर 2015 के प्रवेशोत्सव का सिम्बॉल भी लगा हुआ था।

जहांगीरपुरा की विवाहिता ने लगाई फांसी

सूरत। शहर के जहांगीरपुरा लक्ष्मीवाड़ी के सामने रहने वाली एक विवाहिता ने पंखे के साथ रस्सी बांध फांसी पर झूल गई। पुलिस आत्महत्या का मामला दर्ज करके जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जहांगीरपुरा लक्ष्मीवाड़ी के सामने सुन्दरवन रो-हाउस के घर नं. बी-220 में रहने वाले अजय बावजीभाई पटेल की पत्नी हेतनबेन (31 वर्ष) ने गुरुवार को पंखे के साथ रस्सी बांधकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। हेतनबेन ने किन कारणों से ऐसा कदम उठाई, इसका खुलाशा नहीं हो पाया है। जहांगीरपुरा पुलिस लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेजकर आगे की जांच कर रही है।

रंधोला दुर्घटना: ट्रक चालक गिरफ्तार

भावनगर। रंधोला ट्रक दुर्घटना के जिम्मेदार ट्रक चालक को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जांच में पता चला है कि ट्रक चालक के पास लाइसेंस ही नहीं था। सूत्रों के मुताबिक भावनगर के रंधोला में बारातियों से लदा ट्रक नाले में गिर जाने से 35 बारातियों की मौत हो गई थी। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया था। आज पुलिस ने ट्रक चालक नीतिन लालजी वाघेला को कुंढली गांव से गिरफ्तार कर लिया। हादसे के बाद फरार नीतिन ने सोशियल मीडिया में खुद के आत्महत्या कर लेने की खबरें फेलाई थी। आखिरकार पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की प्राथमिक जांच से पता चला कि ट्रक चालक नीतिन के पास लाइसेंस ही नहीं था और ट्रक मालिक को नीतिन के पास लाइसेंस नहीं होने की जानकारी के बावजूद उसे ट्रक चलाने के लिए दिया था। पुलिस ने नीतिन के खिलाफ केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरु की है। गौरतलब है कि भावनगर जिले के अनिडा गांव निवासी प्रवीणभाई कोली अपने पुत्र विजय कोली की ट्रक में बारात लेकर बोटाद जिले के टाटम की ओर जा रहे थे। रास्ते में रंधोला के निकट बारातियों से भरा ट्रक बेलगाम हो गया और ब्रिज से नीचे जा गिरा। ब्रिज से ट्रक के नीचे गिरते ही दर्दनाक चीखों से वातावरण गूंज उठा और आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। सूचना मिलते ही भावनगर, बोटाद, सिहोर, उमराला से, एम्ब्युलैंस 108, पुलिस और फायर ब्रिगेड का क्रेइन के साथ काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया तथा युद्धस्तर पर बचाव कार्य शुरू कर दिया।

मनपा की तिजोरी खाली, सरकारी ग्रांट मिलने के बाद ही प्रोजेक्ट शुरू करने की सूचना

सूरत। मनपा के वर्ष 2018-19 के बजट में शीर्ष में समाहित किए गए प्रोजक्टों को सरकारी ग्रांट मिलने के बाद ही शुरू करने के लिए मनपा आयुक्त द्वारा सूचित किया गया है।

मनपा की आर्थिक स्थित दयनीय होने के कारण जब तक ग्रांट नहीं आ जाता तबतक निर्धारित प्रोजक्टों पर ब्रेक लगा रहेगा। सूरत मनपा के आगामी बजट 2018-19 में अनेक प्रोजक्टों को शामिल किया गया है। इन प्रोजक्टों का खर्च पूरा करने के लिए मनपा कमि. ने 543 करोड़ मिल्कियत वेरा वसूलने के लिए सूचित किया है।

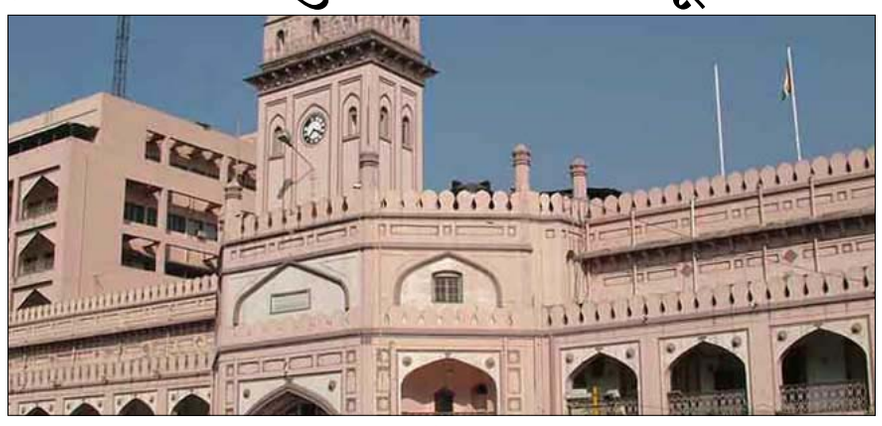

परंतु इसका विरोध किए जाने से सिर्फ यूजर चार्ज में ही बढ़ोत्तरी की गई है। जिससे आय के रास्ते बन्द हो चुके हैं और मनपा की तिजोरी खाली है, इसलिए मनपा कमि. ने जबतक सरकारी ग्रांट नहीं मिल जाता तबतक नये प्रोजक्टों पर ब्रेक लगा दिया है। इसी के साथ ही जो बजट में शामिल नहीं है, ऐसे किसी भी फाइल को आगे बढ़ाने के लिए मनाई है।

डॉ. तोगड़िया की सुरक्षा में खामी, एक पीआई सहित तीन सस्पेंड

विहिप के अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख प्रवीण तोगड़िया की कार कामरेज में दुर्घटना ग्रस्त हो गई थी

सूरत। विश्व हिन्दू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख डॉ. प्रवीण तोगड़िया की कार को कामरेज के पास ट्रेलर द्वारा पीछे से आकर टक्कर मारने की घटना में जेड प्लस की सुरक्षा में खामी रखने के बदले में एलआईबी के पुलिस सब इंस्पेक्टर सहित तीन लोगों को एसीपी डॉ. महेश नायक ने सस्पेंड कर दिया है।

विवरण के अनुसार डॉ. प्रवीण तोगड़िया तीन दिन पहले अपनी कार में वडोदरा से सूरत की ओर आ रहे थे। उसी समय कामरेज के समीप पहुंचते ही पीछे से ट्रेलर चालक ने टक्कर मार दिया था। इस घटना में जेड प्लस की सुरक्षा में खामी होने की बात करते हुए डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने गंभीर आरोप लगाए थे। घटना को गंभीरता से लेते हुए सूरत रेंज के आईजीपी ज्ञानेन्द्रसिंह मलिक ने सूरत जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. महेश नायक को जांच के आदेश दिए थे। प्रारंभिक जांच के अंत में डॉ. नायक ने एलआईबी के इंचार्ज पुलिस सब इंस्पेक्टर राजीव कुमार संगाडा, हेड कांस्टेबल जीवण गवलाभाई और कांस्टेबल राजेन्द्र शिसोदे को सस्पेंड कर दिया।

मुख्यमंत्री आवास योजना के नाम पर ठगी

400 लोग हुए ठगी का शिकार, महिला सहित दो गिरफ्तार

सूरत। शहर में मुख्यमंत्री आवास योजना के नाम से धोखाधड़ी करने की घटना सामने आई है। मुख्यमंत्री के नाम के साथ जुड़ी आवास योजना में लोगों के पास से 20 लाख की ठगी की गई है। जिसमें करीब 400 लोगों को ठगी का शिकार होने की जानकारी मिली है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री आवास योजना में आवास दिलाने के नाम से 50-50 हजार का चेक लेने की शिकायत रांदेर पुलिस में दर्ज कराई गई है। रिपोर्ट दर्ज होते ही ठगी का समग्र मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक महिला सहित दो को गिरफ्तार करके उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

गोडादरा धीरजनगर की युवती ने लगाई फांसी

सूरत। शहर के लिंबायत पुलिस थाना अंतर्गत गोडादरा के धीरजनगर में रहने वाली एक युवती ने किसी कारणों से फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लिंबायत गोडादरा के धीरजनगर घर नं. 82 में रहने वाले अशोक पटेल की 20 वर्षीय बेटी प्रिंयका ने गुरुवार को देर रात्रि 12 बजे के करीब किसी अज्ञात कारणों से अपने घर में पंखे के हुक के साथ दुपट्टा बांधकर फांसी लगी बेहोशी की हालत में मिली। प्रियंका के पिता अशोकभाई इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में ले गए। जहां पर प्रियंका को मृत घोषित कर दिया गया। घटना के संदर्भ में लिंबायत पुलिस आत्महत्या का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

कीट नाशक दवा खाने से युवती की मौत

सूरत। शहर के अमरोली मनीषा गरनाला के पास एम्बेवेली हाइट्स में रहने वाली एक महिला की कीट नाशक दवा खाने से मौत हो गई। अमरोली पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच कर रही है। घटना के संदर्भ में अमरोली पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरोली मनीषा गरनाला के पास एम्बेवेली हाइट्स के सामने एच-1304 सेंट्रोसा हाइट्स में रहने वाले आशीष जयसुखभाई वोरा की पत्नी बनिताबेन (37 वर्ष) ने गुरुवार को किसी समय किसी कारणों से अनाज में रखी जाने वाली कीट नाशक टिकिया खाकर आत्महत्या कर ली। आशीषभाई ने घटना की जानकारी अमरोली पुलिस को दिया। पुलिस स्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com